Bahut Din Se Tarif Bhajan Lyrics in English Hindi with Meaning

Bahut Din Se Tarif Bhajan Lyrics in English

बहुत दिन से तारीफ़,
सुनकर तुम्हारी,
शरण आ गया,
श्यामसुन्दर तुम्हारी।।

जो अब टाल दोगे,
मुझे अपने दर से,
तो होगी हँसी नाथ,
दर-दर तुम्हारी,
शरण आ गया,
श्यामसुन्दर तुम्हारी।।

सुना है कि उसको ना,
करुणा सताती,
जो रहते है करुणा,
नज़र पर तुम्हारी,
शरण आ गया,
श्यामसुन्दर तुम्हारी।।

यही प्रार्थना है,
यही याचना है,
जुदा हूँ न नजरों से,
पल भर तुम्हारी,
शरण आ गया,
श्यामसुन्दर तुम्हारी।।

ये दृग 'बिन्दु' तुमको,
खबर दे रहे है,
की है याद दिल में,
बराबर तुम्हारी,
शरण आ गया,
श्यामसुन्दर तुम्हारी।।

बहुत दिन से तारीफ़,
सुनकर तुम्हारी,
शरण आ गया,
श्यामसुन्दर तुम्हारी।।

Bahut Din Se Tarif Bhajan Lyrics in Hindi

Bahut din se tarif,
Sunkar tumhari,
Sharan aa gaya,
Shyam Sundar tumhari.

Jo ab taal doge,
Mujhe apne dar se,
To hogi hansi Nath,
Dar-dar tumhari,
Sharan aa gaya,
Shyam Sundar tumhari.

Suna hai ki usko na,
Karuna satati,
Jo rehte hain karuna,
Nazar par tumhari,
Sharan aa gaya,
Shyam Sundar tumhari.

Yahi prarthana hai,
Yahi yachna hai,
Juda hoon na nazaron se,
Pal bhar tumhari,
Sharan aa gaya,
Shyam Sundar tumhari.

Ye drig 'Bindu' tumko,
Khabar de rahe hain,
Ki hai yaad dil me,
Barabar tumhari,
Sharan aa gaya,
Shyam Sundar tumhari.

Bahut din se tarif,
Sunkar tumhari,
Sharan aa gaya,
Shyam Sundar tumhari.

About Bahut Din Se Tarif Bhajan in English

This bhajan beautifully expresses a devotee's longing and surrender to Lord Shyam Sundar. The devotee, having heard about Shyam Ji's infinite grace and kindness, finally seeks refuge at His divine feet. The lyrics reflect deep humility, expressing that if Shyam Ji refuses, it would be surprising given His compassionate nature. The bhajan highlights the devotee's unwavering faith, requesting Shyam Ji never to turn His gaze away, even for a moment. It conveys love, devotion, and a heartfelt plea for eternal connection with the Lord.

About Bahut Din Se Tarif Bhajan in Hindi

यह भजन श्याम सुंदर के प्रति गहरी भक्ति और समर्पण को दर्शाता है। इसमें भक्त कहता है कि वह बहुत दिनों से श्याम जी की

महिमा सुन रहा था और अब उनकी शरण में आ गया है। भजन में यह भाव प्रकट किया गया है कि यदि श्याम जी अपने दर पर आए भक्त को लौटा देंगे, तो यह उनकी करुणा पर प्रश्नचिह्न होगा। यह भजन भक्त के पूर्ण समर्पण, करुणा की महिमा, और श्याम जी की कृपा की इच्छा को दर्शाता है। इसमें यह भी प्रार्थना की गई है कि श्याम जी अपनी कृपा दृष्टि कभी न हटाएं और सदैव अपने भक्तों की सुध लेते रहें।